

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,  
सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,  
उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण  
जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट देहरादून।

नागरिक उड्डयन अनुभाग

देहरादून दिनांक ०५ मार्च, 2016

**विषय:- जनपद पिथौरागढ़ स्थित नैनी-सैनी हवाई पट्टी अण्डरपास के निर्माण कार्यों हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति।**

महोदय,

उपरोक्त विषयक उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के पत्र संख्या-879/यूकाडा/नैनीसैनी/2015 दिनांक 15.12.2015 के द्वारा नैनीसैनी हवाई पट्टी के विस्तारीकरण एवं सुदृढीकरण से सम्बन्धित हवाई पट्टी में अण्डरपास के निर्माण कार्य हेतु रू0 142.88 लाख के आंगणन के सापेक्ष टी0ए0सी0 वित्त द्वारा औचित्यपूर्ण धनराशि रू0 134.73 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में रू0 100.00 लाख (रू0 एक करोड़ मात्र) के व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखते हुए श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा इस संबंध में समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- 2- उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा इससे सम्बन्धित शासनादेशों का अनुपालन किया जाय।
- 3- शासनादेश संख्या-475/XXVII (7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 में निर्धारित प्रारूप पर समझौता ज्ञापन (एम0ओ0यू0) अवश्य हस्ताक्षरित किया जना सुनिश्चित किया जाय।
- 4- योजना कार्य के तकनीकी स्वरूप को देखते हुए, निर्माण होने के पश्चात आगामी तीन वर्षों के लिए annual maintenance contract (AMC) किये जाने की व्यवस्था/प्राविधान किया जाए।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण 31.3.2016 तक अवश्य कर लिया जाय। निर्माण कार्य की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति निर्धारित प्रपत्र पर शासन एवं निदेशालय को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त धनराशि को निदेशक, नागरिक उड्डयन निदेशालय द्वारा राजकोष से आहरित करके यूकाडा के खाते में जमा की जायेगी। यूकाडा द्वारा कार्यदायी संस्था के मांग के अनुसार चरणबद्ध रूप से धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
- 6- धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 7- इस सम्बन्ध में व्यय विवरण तथा आवश्यक बाउचर आदि सुरक्षित रखे जायेंगे।

8— कार्यदायी संस्था को आवंटित कार्य निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराया जाना होगा तथा कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिये सम्बन्धित निर्माण इकाई पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी ।

9— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परिव्यय 02-विमानपत्तन 800-अन्य व्यय आयोजनागत- 99-नैनीसैनी हवाई पट्टी का विस्तारीकरण- 24-वृहद निर्माण कार्य मद के नामें डाला जायेगा ।

10— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-886<sup>(5)</sup> /XXVII (2)/2012, दिनांक 03 मार्च, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय,  
(अमित सिंह नेगी)  
सचिव ।

**संख्या-37<sup>(iii)</sup>(1)/2012/22/ ix/2009 टी0सी0 तददिनांकित ।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

1. निदेशक, नागरिक उड्डयन निदेशालय जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट, देहरादून को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।
2. महालेखाकार (आडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून ।
3. महालेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड ओबेराय, मोटर्स, बिल्डिंग माजरा देहरादून ।
4. राज्य योजना आयोग को इस आशय से कि वे उक्त परियोजना की गुणवत्ता परीक्षण के कार्य expert/specialised संस्था यथा आई0आई0टी0/सी0बी0आर0आई0 रूड़की अथवा अन्य विशेषज्ञ संस्था से अपने स्तर से कराया जाना सुनिश्चित करेंगे तथा प्रगति रिपोर्ट से इस विभाग को भी अवगत करायेगें ।
5. आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल ।
6. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ ।
7. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून ।
8. प्रबन्ध निदेशक, राज्य अवस्थापना विकास निगम लि0, देहरादून ।
9. वित्त अनुभाग-2
- ✓ 10. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून ।
11. गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,  
(जीवन सिंह तिलाडा)  
उप सचिव ।